संयुक्त वाणिज्यिक कर अधिकारी, हार्बर डिवीजन II, मद्रास

बनाम

यंग मेन्स इंडियन एसोसिएशन (पंजीकृत) मद्रास और अन्य

12 फ़रवरी 1970

[एम. हिदायतुल्ला, मुख्य न्यायाधीश, जे.सी. शाह, के.एस. हेगड़े, ए.एन. ग्रोवर, ए.एन. रे और आई.डी. दुआ, न्यायमूर्ति]

मद्रास सामान्य बिक्री कर अधिनियम, 1959, धारा 2(जी) ऍक्स्प। 1 और S2(n) ऍक्स्प। 1-सदस्य क्लब-सदस्यों और उनके मेहमानों को जलपान की आपूर्ति-क्या, बिक्री कर लगाया जाएगा।

उत्तरदाता क्लब के सदस्य हैं। वे अपने सदस्यों या अपने मेहमानों को भोजन, नाश्ते और पेय पदार्थों के रूप में जलपान की आपूर्ति करते हैं जिसका भुगतान सदस्यों द्वारा किया जाता है। इस उद्देश्य के लिए आवश्यक वस्तुएं क्लबों द्वारा बाजार से क्लब फंड से खरीदी जाती हैं, जिसमें सदस्यों की सदस्यता शामिल होती है। तैयारियां क्लब परिसर के भीतर की जाती हैं और सदस्यों को निर्धारित कीमतों पर आपूर्ति की जाती हैं। इस सवाल पर कि क्या क्लब मद्रास जनरल सेल्स टैक्स एक्ट, 1959 के तहत बिक्री कर के लिए उत्तरदायी "डीलर" हैं,

माना गया: (प्रति पूर्ण न्यायालय) चूंकि बिक्री का कोई लेनदेन शामिल नहीं था, इसलिए अधिनियम के प्रावधानों के तहत बिक्री कर नहीं लगाया जा सकता था।

(प्रति हिदायतुल्ला, मुख्य न्यायाधीश हेगड़े, ग्रोवर, रे और दुआ, न्यायमूर्ति) राज्य विधानमंडल केवल संविधान की 7वीं अनुसूची की प्रविष्टि 54, सूची II के तहत वस्तुओं की बिक्री या खरीद पर करों पर कानून बनाने के लिए सक्षम है। यदि संपत्ति का एक से दूसरे में कोई हस्तांतरण नहीं होता है तो ऐसी कोई बिक्री नहीं होती है जिस पर कर लगाया जा सके, व्यय के साथ पढ़ी गई धारा 2(एन) में 'बिक्री' की परिभाषा के बावजूद। अधिनियम का 1. [686 जी]

मालिकाना क्लबों में जहां कुछ शेयरधारक सदस्य नहीं हैं या कुछ सदस्य शेयरधारक नहीं हैं, सदस्य क्लब की संपत्ति के मालिक नहीं हैं, न ही उसमें रुचि रखते हैं। मालिकाना क्लबों के विपरीत एक सदस्य क्लब का मामला एक एजेंट के समान होता है जो मूलधन की खपत के लिए चीजें तैयार करने के लिए अपने पैसे का निवेश करता है और बाद में किए गए खर्चों की भरपाई करता है। इसलिए, वर्तमान मामले में, भले ही क्लब अलग-अलग कानूनी संस्थाएं हैं, वे केवल

अस्वीकरण
"क्षेत्रीय भाषा में अनुवादित निर्णय वादी के अपनी भाषा में समझने हेतु निर्बंधित प्रयोग के लिए है और किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। सभी व्यावहारिक और सरकारी उद्देश्यों के लिए, निर्णय का अंग्रेजी संस्करण प्रामाणिक माना जाएगा तथा निष्पादन और क्रियान्वयन के उद्देश्यों के लिए मान्य होगा।"

विभिन्न तैयारियों की आपूर्ति के मामले में सदस्यों के लिए एजेंट के रूप में कार्य कर रहे थे और कोई बिक्री शामिल नहीं होगी क्योंकि हस्तांतरण का तत्व पूरी तरह से अनुपस्थित होगा। [685 ए-बी, 686 एच]

कॉस्मोपॉलिटन क्लब, मद्रास बनाम जिला वाणिज्यिक कर अधिकारी, ट्रिप्लिकेन (1952) 1 एम.एल.जे. 401; उप वाणिज्यिक कर अधिकारी ट्रिप्लिकेन डिवीजन, मद्रास बनाम कॉस्मोपॉलिटन क्लब, आई.एल.आर. [1955] मैड। 1042. ग्राफ बनाम इवांस, [1882] 8 क्यू.बी.डी. 373. ट्रेबानोग वर्किंग मेन्स क्लब एंड इंस्टीट्यूट लिमिटेड बनाम मैकडोनाल्ड [1940] 1 ए.ई.एल.आर. 454, बंगाल नागपुर कॉटन मिल्स क्लब, राजनंदनगांव बनाम सेल्स टैक्स ऑफिसर रायपुर एवं अन्य 8 एस.टी.सी. 781. सेंचुरी क्लब एवं अन्य बनाम मैसूर राज्य, 16 एस.टी.सी. 38. उप वाणिज्यिक कर अधिकारी बनाम एनफीएंड इंडिया लिमिटेड [1968] 2 एस.सी.आर. 421, और अंतर्देशीय राजस्व आयुक्त बनाम वेस्टले एस्टेट कंपनी लिमिटेड समान बनाम दक्षिण बिहार रेलवे कंपनी लिमिटेड [1924] 1 के.बी. 390, संदर्भित।

(प्रति शाह, न्यायाधीश सहमत): यूनाइटेड किंगडम में क्लबों द्वारा अपने सदस्यों को मादक पेय की आपूर्ति के संबंध में लाइसेंसिंग अधिनियम के तहत तय किए गए मामलों की समानता उचित नहीं है। सदस्य क्लब द्वारा अपने सदस्यों को विचारार्थ आपूर्ति की गई जलपान, पेय पदार्थ और अन्य वस्तुएं कानूनन बेची जाती हैं या नहीं, यह उन परिस्थितियों पर निर्भर करता है जिनमें लेनदेन होता है। प्रत्येक मामले में लेन-देन पर कर का दायित्व उसके कड़ाई से कानूनी स्वरूप पर निर्भर करेगा। यदि एक निगमित सदस्य क्लब अपने सदस्यों को एक निश्चित टैरिफ पर अपनी संपत्ति की आपूर्ति करता है तो लेनदेन को आसानी से बिक्री के लिए माना जाएगा, भले ही लेनदेन गैर-लाभकारी आधार पर हो; ऐसा लेनदेन बिक्री कर के लिए उत्तरदायी होगा। हालाँकि, जहाँ क्लब केवल सदस्यों की ओर से उन्हें जलपान, पेय पदार्थ और अन्य वस्तुएँ उपलब्ध कराने के लिए कार्य कर रहा है, लेनदेन को बिक्री नहीं माना जाएगा, क्योंकि क्लब वह एजेंसी है जिसके माध्यम से सदस्यों ने यह व्यवस्था की है कि जलपान, पेय पदार्थ और अन्य वस्तुएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए। प्रत्येक मामले में परीक्षण यह है कि क्या क्लब अपनी संपत्ति को कीमत पर हस्तांतरित करता है या क्लब अपने सदस्यों की संपत्ति उपलब्ध कराने के लिए एक एजेंट के रूप में कार्य करता है। [687 जी, 688 बी]

अस्वीकरण
"क्षेत्रीय भाषा में अनुवादित निर्णय वादी के अपनी भाषा में समझने हेतु निर्बंधित प्रयोग के लिए है और किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। सभी व्यावहारिक और सरकारी उद्देश्यों के लिए, निर्णय का अंग्रेजी संस्करण प्रामाणिक माना जाएगा तथा निष्पादन और क्रियान्वयन के उद्देश्यों के लिए मान्य होगा।"

मद्रास राज्य बनाम गैनन डंकरले एंड कंपनी लिमिटेड [1959] एस.सी.आर. 379, ड्यूक ऑफ वेस्ट मिंस्टर बनाम अंतर्देशीय राजस्व आयुक्त, 19 टी.सी. 490. बैंक ऑफ चेट्टीनाड लिमिटेड बनाम आयकर आयुक्त, मद्रास, एल.आर. 67 आई.ए. 394, आयकर आयुक्त, आंध्र प्रदेश बनाम मोटर्स एंड जनरल स्टोर्स (प्राइवेट) लिमिटेड, 66 आई.टी.आर. 692 एस.सी. एवं आयकर आयुक्त गुजरात बनाम बी.एम. खरवार, 72 आई.टी.आर. 603 एस.सी., संदर्भित।

वर्तमान मामले में दर्ज निष्कर्षों के अनुसार उत्तरदाता अपनी संपत्ति हस्तांतरित नहीं कर रहे थे, बल्कि केवल सदस्यों के लिए और उनकी ओर से एजेंट के रूप में कार्य कर रहे थे और इसलिए, लेनदेन बिक्री नहीं थे और इसलिए अधिनियम के तहत बिक्री कर के अधीन नहीं हो सकते थे। [688 डी]

सिविल अपीलीय क्षेत्राधिकार: सिविल अपील संख्या 1724 से 1727 वर्ष 1967

रिट याचिका संख्या 129, 130 और 181 वर्ष 1960 और रिट अपील संख्या 275 वर्ष 1963 में मद्रास उच्च न्यायालय के 23 नवंबर, 1962 और 4 नवंबर, 1963 के निर्णयों और आदेशों के खिलाफ अपील।

अपीलकर्ताओं के लिए एम. सी. छागला और ए. वी. रंगम (सभी अपीलों में)।

उत्तरदाताओं के लिए डी. नरसराजू और आर. गोपालकृष्णन (सिविल अपील संख्या 1724, 1725 और 1727 वर्ष 1967 में)।

प्रतिवादी की ओर से पी. राम रेड्डी, पी. परमेश्वर राव और ए. वी. वी. नायर (द्वितीय अपील संख्या 1726 वर्ष 1967 में)।

मुख्य न्यायमूर्ति एम हिदायतुल्ला, केएस हेगड़े, एएन ग्रोवर, एएन रे और आईडी दुआ का फैसला ग्रोवर न्यायमूर्ति द्वारा सुनाया गया।

जे सी शाह ने दी अलग राय।

ग्रोवर, न्यायमूर्ति। सर्टिफिकेट द्वारा ये अपीलें कॉस्मोपॉलिटन क्लब मद्रास द्वारा संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत दायर याचिकाओं में मद्रास उच्च न्यायालय के एक सामान्य फैसले के खिलाफ निर्देशित हैं। यंग मेन्स इंडियन एसोसिएशन, मद्रास और लॉली इंस्टीट्यूट ऊटाकामुंड ने मद्रास जनरल सेल्स टैक्स एक्ट 1959 के तहत बिक्री कर के अपने मूल्यांकन से संबंधित कार्यवाही को चुनौती दी है, जिसे इसके बाद अपने सदस्यों या उनके मेहमानों को भोजन, स्नैक्स, पेय और

अस्वीकरण
"क्षेत्रीय भाषा में अनुवादित निर्णय वादी के अपनी भाषा में समझने हेतु निर्बंधित प्रयोग के लिए है और किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। सभी व्यावहारिक और सरकारी उद्देश्यों के लिए, निर्णय का अंग्रेजी संस्करण प्रामाणिक माना जाएगा तथा निष्पादन और क्रियान्वयन के उद्देश्यों के लिए मान्य होगा।"

अन्य वस्तुओं की आपूर्ति के लिए "अधिनियम" कहा जाएगा। उच्च न्यायालय द्वारा यह माना गया कि इनमें से प्रत्येक क्लब को अधिनियम की स्पष्टीकरण I के साथ पढ़ी गई धारा 2 (जी) के अर्थ में "डीलर" के रूप में नहीं माना जा सकता है न ही अधिनियम की स्पष्टीकरण I के साथ पढ़ी गई धारा 2(एन) के अर्थ के भीतर क्लब की उपरोक्त गतिविधि में कोई "बिक्री" शामिल थी।

कॉस्मोपॉलिटन क्लब, मद्रास, एक सामाजिक मनोरंजन क्लब है जिसे मूल रूप से वर्ष 1873 में एक अनिगमित एसोसिएशन के रूप में शुरू किया गया था। 1934 में इसे भारतीय कंपनी अधिनियम 1913 की धारा 26 के तहत एक गैर-लाभकारी संस्था के रूप में पंजीकृत किया गया था। इसके उद्देश्य, जैसा कि एसोसिएशन के ज्ञापन में बताया गया है, मुख्य रूप से सामाजिक मेलजोल को बढ़ावा देना और इसके सदस्यों के बीच चर्चा आदि को सुविधाजनक बनाना है। एसोसिएशन के लेखों में यह प्रावधान है कि कुछ समय के लिए सदस्य ही क्लब का गठन करते हैं। यह अपने सदस्यों के लिए जलपान तैयार करने और आपूर्ति करने के लिए एक प्रतिष्ठान रखता है। यह उच्च न्यायालय द्वारा पाया गया है और इसमें कोई विवाद नहीं है कि उपरोक्त उद्देश्य के लिए आवश्यक वस्तुएं क्लब द्वारा बाजार में खरीदी जाती हैं और एक समिति के निर्देश पर इसके परिसर के भीतर तैयारी की जाती है। सदस्यों को समिति द्वारा निर्धारित कीमतों पर तैयारियाँ उपलब्ध करायी जाती हैं। एक सदस्य को अपने साथ मेहमानों को लाने की अनुमति है, लेकिन यदि अतिथि द्वारा भोजन का कोई सामान खाया जाता है, तो सदस्य को उसके लिए भुगतान करना होगा।

यंग मेन्स इंडियन एसोसिएशन सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के तहत पंजीकृत एक सोसायटी है। इसका उद्देश्य, छात्रों के नैतिक और शारीरिक मानकों में सुधार आदि है। एसोसिएशन आवासीय और मनोरंजक सुविधाओं के अलावा एक वाचनालय के साथ पुस्तकालय के आकार में कुछ सुविधाएं प्रदान करता है। सदस्यों की जरूरतों को पूरा करने वाली कैंटीन के साथ-साथ गंदगी भी है। कोई भी सदस्य किसी अतिथि को ला सकता है लेकिन छात्रावास में उसके रहने की अवधि या तैयारियों या पेय पदार्थों का लाभ उठाने की अवधि नियमों द्वारा सीमित और प्रतिबंधित है। यह वह सदस्य है जिसे अपने अतिथि द्वारा उपभोग की गई किसी भी वस्तु के लिए शुल्क का भुगतान करना पड़ता है। एसोसिएशन के कर्मचारी जलपान आदि की आपूर्ति के लिए आवश्यक विभिन्न वस्तुएं खरीदते हैं और रसोइयों, सर्वरों और अन्य लोगों के वेतन सहित लागत

अस्वीकरण
"क्षेत्रीय भाषा में अनुवादित निर्णय वादी के अपनी भाषा में समझने हेतु निर्बंधित प्रयोग के लिए है और किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। सभी व्यावहारिक और सरकारी उद्देश्यों के लिए, निर्णय का अंग्रेजी संस्करण प्रामाणिक माना जाएगा तथा निष्पादन और क्रियान्वयन के उद्देश्यों के लिए मान्य होगा।"

और व्यय को कुल मिलाकर मेस में भाग लेने वाले सदस्यों के बीच विभाजित किया जाता है। एसोसिएशन द्वारा अपने सदस्यों को ये सुविधाएं प्रदान करने में कोई लाभ नहीं होता है। उच्च न्यायालय के निर्णय में पाये गये ये तथ्य विवादित नहीं हैं।

लॉली इंस्टीट्यूट 15 सितंबर, 1911 को बिबली के महाराजा और नीलगिरी के कलेक्टर और अन्य के बीच हुए एक ट्रस्ट डीड द्वारा अस्तित्व में आया। संस्थान का प्रबंधन पूरी तरह से न्यासी बोर्ड में निहित है। इसका उद्देश्य केवल अपने सदस्यों की सेवा करना है और सदस्य के अलावा कोई भी व्यक्ति संस्थान द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाओं में भाग लेने का हकदार नहीं है। सदस्यों को जलपान और भोजन की आपूर्ति ऐसी सुविधाओं में से एक है। ये तथ्य पूर्णतः निर्विवाद हैं।

ऐसा प्रतीत होता है कि मद्रास राज्य में बिक्री कर पहली बार 1939 में लगाया गया था। उस समय जो क़ानून था उसमें धारा 2(बी) में "डीलर" की परिभाषा शामिल थी। एक डीलर को निम्नलिखित स्पष्टीकरण के साथ "किसी भी व्यक्ति जो सामान खरीदने या बेचने का व्यवसाय करता है" के रूप में परिभाषित किया गया था:

"एक सहकारी समिति, एक क्लब, एक फर्म या कोई भी संघ जो अपने सदस्यों को सामान बेचता है, इस खंड के अर्थ के तहत एक डीलर है"।

कॉस्मोपॉलिटन क्लब, मद्रास, जो 1939 से कर का भुगतान कर रहा था, ने संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत एक याचिका दायर की, जिसका निपटारा कॉस्मोपॉलिटन क्लब, मद्रास बनाम जिला वाणिज्यिक कर अधिकारी, ट्रिप्लिकेन (1) में मैक जस्टिस द्वारा किया गया। विद्वान न्यायाधीश के अनुसार एक सदस्य क्लब में जलपान की आपूर्ति, क्लब निधि से खरीदी गई और सदस्यों की सदस्यता से बनी, क्लब से किसी सदस्य को संपत्ति का हस्तांतरण नहीं था न ही क्लब ने सदस्यों की आवश्यकताओं के बाहर से खरीदारी करने और उन्हें एक निश्चित शुल्क पर आपूर्ति करने का कोई व्यापार या व्यवसाय किया। जलपान की ऐसी आपूर्ति पर बिक्री कर लगाने को अवैध माना गया। जिस खंडपीठ के पास अपील की गई थी, उसने उपरोक्त फैसले की पुष्टि की (उप वाणिज्यिक कर अधिकारी, ट्रिप्लिकेन डिवीजन, मद्रास बनाम द कॉस्मोपॉलिटन क्लब (2)। अधिनियम की धारा 2(जी) में "डीलर' की परिभाषा निम्नलिखित शब्दों में है:

अस्वीकरण
"क्षेत्रीय भाषा में अनुवादित निर्णय वादी के अपनी भाषा में समझने हेतु निर्बंधित प्रयोग के लिए है और किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। सभी व्यावहारिक और सरकारी उद्देश्यों के लिए, निर्णय का अंग्रेजी संस्करण प्रामाणिक माना जाएगा तथा निष्पादन और क्रियान्वयन के उद्देश्यों के लिए मान्य होगा।"

"डीलर" का अर्थ है कोई भी व्यक्ति जो सीधे या अन्यथा माल खरीदने, बेचने, आपूर्ति करने या वितरित करने का व्यवसाय करता है, चाहे नकद के लिए या विलंबित भुगतान के लिए या कमीशन, पारिश्रमिक या अन्य मूल्यवान प्रतिफल के लिए और इसमें शामिल है-

(i).....

(ii).....

(iii).....

(iv).....

स्पष्टीकरण-1. एक सहकारी समिति, सोसायटी, क्लब या फर्म या एक एसोसिएशन सहित एक सोसायटी, जो व्यवसाय के दौरान या नहीं, से सामान खरीदती है, बेचती है या वितरित करती है या इसके सदस्यों को नकद या आस्थगित भुगतान या कमीशन, पारिश्रमिक या अन्य मूल्यवान प्रतिफल के लिए, इस अधिनियम के प्रयोजन के लिए डीलर माना जाएगा;

स्पष्टीकरण II....."

धारा 2(एन) में दी गई बिक्री की परिभाषा इस प्रकार है:-

अपनी सभी व्याकरणिक विविधताओं और सजातीय अभिव्यक्तियों के साथ "बिक्री" का अर्थ है व्यापार के दौरान नकद या विलंबित भुगतान या अन्य मूल्यवान प्रतिफल के लिए एक व्यक्ति द्वारा दूसरे व्यक्ति को माल में संपत्ति का हर हस्तांतरण..... .....”

स्पष्टीकरण I. "किसी सोसायटी (सहकारी सोसायटी सहित) क्लब, फर्म या किसी एसोसिएशन द्वारा अपने सदस्यों को नकद, या आस्थगित भुगतान, या अन्य मूल्यवान विचार के लिए माल की आपूर्ति या वितरण में शामिल संपत्ति का हस्तांतरण, चाहे व्यवसाय के दौरान इस अधिनियम के प्रयोजन के लिए बिक्री मानी जाएगी या नहीं"।

"कारोबार" को इस प्रकार परिभाषित किया गया है:

"कुल राशि जिसके लिए सामान किसी डीलर द्वारा सीधे या किसी अन्य के माध्यम से अपने खाते पर या दूसरों के खाते पर खरीदा या बेचा जाता है या आपूर्ति या वितरित किया जाता है, चाहे नकद के लिए या स्थगित भुगतान के लिए या अन्य मूल्यवान विचार के लिए..... ....."

यह सामान्य बात है कि बिक्री कर लगाने के लिए क्लब द्वारा अपने सदस्यों को जलपान, पेय पदार्थ और अन्य तैयारियों की बिक्री होनी चाहिए। यदि किसी क्लब द्वारा माल की आपूर्ति या

अस्वीकरण
"क्षेत्रीय भाषा में अनुवादित निर्णय वादी के अपनी भाषा में समझने हेतु निर्बंधित प्रयोग के लिए है और किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। सभी व्यावहारिक और सरकारी उद्देश्यों के लिए, निर्णय का अंग्रेजी संस्करण प्रामाणिक माना जाएगा तथा निष्पादन और क्रियान्वयन के उद्देश्यों के लिए मान्य होगा।"

वितरण में शामिल संपत्ति का कोई हस्तांतरण नहीं किया गया है। यह धारा 2(एन) में बिक्री की परिभाषा में निहित स्पष्टीकरण I के अंतर्गत नहीं आएगा और न ही क्लब को स्पष्टीकरण 1 के साथ पढ़ी गई धारा 2(जी) के भीतर डीलर के रूप में माना जा सकता है।

इंग्लैंड में कानून हमेशा से यह रहा है कि वर्तमान मामले में क्लब जिस भी श्रेणी के सदस्य हैं, उन्हें बिक्री से संबंधित लाइसेंसिंग अधिनियम के प्रावधानों के अधीन नहीं बनाया जा सकता है क्योंकि सदस्य उत्पाद शुल्क योग्य शराब सहित क्लब की सभी संपत्ति के संयुक्त मालिक हैं। क्लब द्वारा किसी सदस्य को निश्चित मूल्य पर शराब की आपूर्ति को बिक्री नहीं माना जा सकता है। हालाँकि, यदि शराब की आपूर्ति और भुगतान ऐसे व्यक्ति द्वारा किया जाता है जो क्लब का वास्तविक सदस्य या उसका विधिवत अधिकृत एजेंट नहीं है तो बिक्री होगी। निगमित क्लबों के संबंध में एक भेद तैयार किया गया है। जहां ऐसे क्लब में इसके निगमन के अनुरूप सदस्य क्लब की सभी विशेषताएं होती हैं, यानी, जहां प्रत्येक सदस्य एक शेयरधारक होता है और प्रत्येक शेयरधारक एक सदस्य होता है, यदि केवल सदस्यों को शराब की आपूर्ति की जाती है, तो कोई लाइसेंस लेने की आवश्यकता नहीं है। यदि कुछ शेयरधारक सदस्य नहीं हैं या कुछ सदस्य शेयरधारक नहीं हैं तो यह एक मालिकाना क्लब का मामला होगा और इसमें बिक्री शामिल होगी। मालिकाना क्लब एक अलग स्तर पर खड़े हैं। सदस्य क्लब की संपत्ति के मालिक या उसमें रुचि नहीं रखते हैं। हालांकि उन्हें एक निश्चित टैरिफ पर भोजन या शराब की आपूर्ति एक बिक्री है। (हेल्सबरी के इंग्लैंड के नियम 3 संस्करण खंड 5 पृष्ठ 280-281 देखें)। ग्रेफ़ वर्सेस इवांस(1) में निर्धारित सिद्धांत का पालन किया गया था। उस स्थिति में फील्ड जे., इसे इस प्रकार रखें:

"मुझे लगता है कि नियमों का सही निर्माण यह है कि सदस्य क्लब के सभी सामानों में सामान्य संपत्ति के संयुक्त मालिक थे, और ट्रस्टी सामानों में सामान्य संपत्ति के संबंध में उनके एजेंट थे"।

आम तौर पर सदस्यों के क्लब के ट्रस्टियों या निगमित निकाय में निहित कानूनी संपत्ति में महसूस की जाने वाली कठिनाई को एजेंसी के सिद्धांत यानी क्लब या सदस्यों के एजेंटों के रूप में कार्य करने वाले ट्रस्टियों को लागू करके दूर किया गया था। ट्रेबानोग वर्किंग मेन्स क्लब एंड इंस्टीट्यूट लिमिटेड बनाम मैकडोनाल्ड (2) में लॉर्ड हेवार्ट (एल.सी.जे.) के अनुसार एक बार यह मान लिया गया था कि किसी सदस्य क्लब को अपने सदस्यों को नशीली शराब परोसने के लिए

अस्वीकरण
"क्षेत्रीय भाषा में अनुवादित निर्णय वादी के अपनी भाषा में समझने हेतु निर्बंधित प्रयोग के लिए है और किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। सभी व्यावहारिक और सरकारी उद्देश्यों के लिए, निर्णय का अंग्रेजी संस्करण प्रामाणिक माना जाएगा तथा निष्पादन और क्रियान्वयन के उद्देश्यों के लिए मान्य होगा।"

लाइसेंस की आवश्यकता नहीं है। विभिन्न कानूनी संस्थाओं के बीच कोई अंतर करना मुश्किल था, जिन्हें सदस्यों की ओर से संपत्ति रखने का कर्तव्य सौंपा जा सकता था, चाहे वह कोई व्यक्ति हो या ट्रस्टियों का एक निकाय या इस उद्देश्य के लिए बनाई गई एक कंपनी, जब तक कि शराब में वास्तविक रुचि क्लब के सदस्यों में बनी रहे। जो आवश्यक था वह यह था कि एजेंट या ट्रस्टी द्वारा संपत्ति की होल्डिंग क्लब के सदस्यों के लिए और उनकी ओर से होल्डिंग होनी चाहिए, न कि क्लब के सदस्यों के लिए विरोधी होल्डिंग।

भारत में उच्च न्यायालयों द्वारा तय किए गए विभिन्न मामलों में इंग्लैंड में प्रचलित दृष्टिकोण को स्वीकार किया गया और लागू किया गया। हम बंगाल, नागपुर कॉटन मिल्स क्लब, राजनंदनगांव बनाम सेल्स टैक्स ऑफिसर रायपुर और अन्य (3) में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय और सेंचुरी क्लब और अन्य बनाम मैसूर राज्य और अन्य (4) में मैसूर उच्च न्यायालय के फैसलों पर गौर कर सकते हैं। पूर्व में यह माना गया था कि भारतीय कंपनी अधिनियम 1913 की धारा 26 के तहत पंजीकृत सदस्य क्लब के सदस्यों को क्लब फंड से खरीदे गए जलपान की आपूर्ति, जिसमें सदस्यों की सदस्यता शामिल थी, क्लब से संपत्ति का हस्तांतरण नहीं था। एक सदस्य के रूप में और क्लब जलपान की ऐसी आपूर्ति के संबंध में सीपी और बरार बिक्री कर अधिनियम 1947 के तहत बिक्री कर के लिए उत्तरदायी नहीं था। ट्रेबानोग वर्किंग मेन्स क्लब (2) में विज्ञापित सिद्धांत को अपनाया गया था और यह कहा गया था कि यदि एजेंट या ट्रस्टी सदस्यों को सामान की आपूर्ति करता है तो ऐसी आपूर्ति बिक्री के लेनदेन के बराबर नहीं होगी। मैसूर न्यायालय ने भी यही विचार व्यक्त किया कि एक विशुद्ध रूप से सदस्यों का क्लब जो सचिव या प्रबंधक के माध्यम से खरीदारी करता है और सदस्यों को एक निश्चित दर पर आवश्यकताओं की आपूर्ति करता है, कानूनन इन सामानों को सदस्यों को नहीं बेचता है।

अपीलकर्ता की ओर से उप वाणिज्यिक कर अधिकारी और अन्य बनाम एनफीएंड इंडिया लिमिटेड (1) में इस अदालत के फैसले पर भरोसा रखा गया है। उस मामले में धारा 2 (जी) का स्पष्टीकरण अधिकारातीत और राज्य विधायिका की क्षमता के भीतर पाया गया। निर्णय इस आधार पर आगे बढ़ा कि जब एक सहकारी समिति अपने सदस्यों को कीमत पर जलपान की आपूर्ति करती है तो बिक्री के निम्नलिखित चार घटक मौजूद होते हैं: (1) अनुबंध करने में सक्षम पक्ष; (2) आपसी सहमति; (3) वस्तु, पूर्ण या सामान्य संपत्ति जिसमें विक्रेता से खरीदार को हस्तांतरित की

अस्वीकरण
"क्षेत्रीय भाषा में अनुवादित निर्णय वादी के अपनी भाषा में समझने हेतु निर्बंधित प्रयोग के लिए है और किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। सभी व्यावहारिक और सरकारी उद्देश्यों के लिए, निर्णय का अंग्रेजी संस्करण प्रामाणिक माना जाएगा तथा निष्पादन और क्रियान्वयन के उद्देश्यों के लिए मान्य होगा।"

जाती है और (4) भुगतान या वादा किए गए पैसे में कीमत। केवल यह तथ्य कि सोसायटी अपने सदस्यों को अकेले जलपान की आपूर्ति करती थी और कोई लाभ नहीं कमाती थी, यह स्थापित करने के लिए पर्याप्त नहीं माना जाता था कि सोसायटी केवल अपने सदस्यों के एजेंट के रूप में कार्य कर रही थी। चूंकि एक पंजीकृत सोसायटी एक कॉर्पोरेट निकाय थी, इसलिए यह नहीं माना जा सकता था कि जो संपत्ति उसके पास थी, वह वह संपत्ति थी जिसके सदस्य उसके मालिक थे। अंग्रेजी निर्णय इस आधार पर प्रतिष्ठित थे कि उन मामलों में अदालतें अर्ध आपराधिक प्रकृति के मामलों से निपट रही थीं।

ऐसा प्रतीत होता है कि इंग्लैंड में कराधान कानूनों में भी एक सदस्य क्लब की स्थिति, हालांकि निगमित है, काफी भिन्न मानी गई है। अंतर्देशीय राजस्व आयुक्त बनाम वेस्टले एस्टेट कंपनी लिमिटेड (2) में; सेम वर्सेज साउथ बिहार रेलवे कंपनी लिमिटेड और सेम वर्सेज एक्सेंट्रिक क्लब पोलक एमआर ने एक्सेंट्रिक क्लब के मामले से निपटते हुए बताया कि सदस्यों का क्लब केवल संरचनात्मक रूप से एक कंपनी थी और यह निगम लाभ कर को आकर्षित करने के लिए व्यापार या व्यवसाय नहीं करता था।

वर्तमान मामले में, आवश्यक प्रश्न यह है कि क्या प्रत्येक क्लब द्वारा अपने सदस्यों को विभिन्न तैयारियों की आपूर्ति में माल की बिक्री अधिनियम 1930 के अर्थ के तहत बिक्री का लेनदेन शामिल है। राज्य विधानमंडल केवल प्रविष्टि 54 के तहत कानून बनाने के लिए सक्षम है। , संविधान की 7वीं अनुसूची की सूची II में अभिव्यक्ति "माल की बिक्री" का वही अर्थ है जो उपरोक्त अधिनियम में है। इस प्रकार अधिनियम की धारा 2(एन) में स्पष्टीकरण I के साथ पढ़ी गई परिभाषा के बावजूद, यदि संपत्ति का एक से दूसरे में कोई हस्तांतरण नहीं होता है तो ऐसी कोई बिक्री नहीं होती है जिस पर कर लगाया जाएगा। यदि क्लब, भले ही एक विशिष्ट कानूनी इकाई हो, अपने सदस्यों के लिए विभिन्न तैयारियों की आपूर्ति के मामले में केवल एक एजेंट के रूप में कार्य कर रहा है, तो कोई बिक्री शामिल नहीं होगी क्योंकि हस्तांतरण का तत्व पूरी तरह से अनुपस्थित होगा। इस न्यायालय के पिछले निर्णय में भी इस स्थिति को उचित रूप से स्वीकार किया गया है।

अपील के तहत फैसले में उच्च न्यायालय का अंतिम निष्कर्ष यह था कि प्रत्येक क्लब का मामला एक एजेंट के समान था या मूलधन की खपत के लिए चीजें तैयार करने के लिए अपने स्वयं के पैसे का निवेश करना और बाद में किए गए खर्चों की भरपाई करना अनिवार्य था। एक बार जब

अस्वीकरण
"क्षेत्रीय भाषा में अनुवादित निर्णय वादी के अपनी भाषा में समझने हेतु निर्बंधित प्रयोग के लिए है और किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। सभी व्यावहारिक और सरकारी उद्देश्यों के लिए, निर्णय का अंग्रेजी संस्करण प्रामाणिक माना जाएगा तथा निष्पादन और क्रियान्वयन के उद्देश्यों के लिए मान्य होगा।"

प्रत्येक क्लब से संबंधित तथ्यों पर यह निष्कर्ष आ गया तो उच्च न्यायालय के लिए अधिनियम की धारा 2(जी) और 2(एन) के स्पष्टीकरण के संबंध में कोई भी विचार व्यक्त करना अनावश्यक था। चूंकि बिक्री का कोई लेन-देन शामिल नहीं था, इसलिए प्रत्येक क्लब द्वारा अपने सदस्यों को जलपान और तैयारियों की आपूर्ति पर अधिनियम के प्रावधानों के तहत कोई कर नहीं लगाया जा सकता था।

अपील विफल होनी चाहिए और खारिज कर दी जानी चाहिए लेकिन लागत के संबंध में कोई आदेश नहीं होगा।

शाह, न्यायमूर्ति। जहां किसी व्यक्ति से संबंधित सामान में सामान्य संपत्ति एक अनुबंध के तहत भुगतान की गई या वादा की गई कीमत पर दूसरे को हस्तांतरित की जाती है, लेनदेन एक बिक्री है। राज्य विधानमंडल के पास संविधान की प्रविष्टि 54 सूची 11 के तहत वस्तुओं की बिक्री या खरीद पर करों के संबंध में कानून बनाने की शक्ति है और अभिव्यक्ति "बिक्री" का वही अर्थ है जो माल की बिक्री अधिनियम, 1930 में है: देखें मद्रास राज्य बनाम गैनन डंकरले एंड कंपनी (मद्रास) लिमिटेड (1)। एक लेनदेन जो माल की बिक्री अधिनियम के अर्थ के तहत बिक्री की प्रकृति का नहीं है, इसलिए, प्रविष्टि 54 सूची II के तहत शक्ति के प्रयोग में अधिनियमित कानून के तहत कर के अधीन नहीं किया जा सकता है।

किसी सदस्य क्लब द्वारा अपने सदस्यों को विचारार्थ आपूर्ति की गई जलपान, पेय पदार्थ और अन्य वस्तुएं कानूनी रूप से बेची गई हैं या नहीं, यह उन परिस्थितियों पर निर्भर करता है जिनमें लेनदेन होता है। प्रत्येक मामले में लेन-देन पर कर का दायित्व उसके कड़ाई से कानूनी स्वरूप पर निर्भर करेगा। यदि एक निगमित सदस्यों का क्लब अपने सदस्यों को एक निश्चित टैरिफ पर अपनी संपत्ति की आपूर्ति करता है, तो लेनदेन को आसानी से बिक्री के लिए माना जाएगा, भले ही लेनदेन गैर-लाभकारी आधार पर हो; ऐसा लेनदेन बिक्री कर के लिए उत्तरदायी होगा। हालाँकि, जहाँ क्लब केवल सदस्यों की ओर से उन्हें जलपान, पेय पदार्थ और अन्य वस्तुएँ उपलब्ध कराने के लिए कार्य कर रहा है, लेनदेन को बिक्री नहीं माना जाएगा, क्योंकि क्लब वह एजेंसी है जिसके माध्यम से सदस्यों ने यह व्यवस्था की है कि जलपान, पेय पदार्थ और अन्य वस्तुएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए। प्रत्येक मामले में परीक्षण यह है कि क्या क्लब अपनी संपत्ति को

अस्वीकरण
"क्षेत्रीय भाषा में अनुवादित निर्णय वादी के अपनी भाषा में समझने हेतु निर्बंधित प्रयोग के लिए है और किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। सभी व्यावहारिक और सरकारी उद्देश्यों के लिए, निर्णय का अंग्रेजी संस्करण प्रामाणिक माना जाएगा तथा निष्पादन और क्रियान्वयन के उद्देश्यों के लिए मान्य होगा।"

कीमत पर हस्तांतरित करता है या क्लब अपने सदस्यों की संपत्ति उपलब्ध कराने के लिए एक एजेंट के रूप में कार्य करता है।

मेरे निर्णय में, क्लबों द्वारा अपने सदस्यों को मादक पेय की आपूर्ति के संबंध में यूनाइटेड किंगडम में लाइसेंसिंग अधिनियम के तहत तय किए गए मामलों की समानता उचित नहीं है। एक आपराधिक मुकदमे या अर्ध-आपराधिक कार्यवाही में, न्यायालय लेनदेन के सार पर विचार करने और अपराधी के दायित्व का निर्धारण करने का हकदार है। लेकिन एक कर क़ानून में सख्त कानूनी स्थिति, जैसा कि प्रपत्र द्वारा प्रकट किया गया है, न कि लेनदेन के सार से, इसकी करदेयता का निर्धारण होता है: ड्यूक ऑफ वेस्ट मिनिस्टर बनाम अंतर्देशीय राजस्व आयुक्त (1) देखें; बैंक ऑफ चित्तिनाड मंत्री बनाम अंतर्देशीय राजस्व आयुक्त (1); बैंक ऑफ चित्तिनाड इनकम टैक्स, आंध्र प्रदेश बनाम मोटर्स एंड जनरल स्टोर्स (प्राइवेट) लिमिटेड (2); और आयकर आयुक्त, गुजरात बनाम बी.एम. खरवार (4)।

उच्च न्यायालय द्वारा दर्ज किए गए निष्कर्षों से ऐसा प्रतीत होता है कि इन अपीलों में जिन क्लबों या संघों को उत्तरदायी बनाने की मांग की गई थी, वे उनसे संबंधित संपत्ति को स्थानांतरित नहीं कर रहे थे, बल्कि केवल सदस्यों के लिए और उनकी ओर से एजेंट के रूप में कार्य कर रहे थे। वे सामान नहीं बेच रहे थे बल्कि अपने सदस्यों को सेवा प्रदान कर रहे थे।

इसलिए मैं सहमत हूं कि अपीलें विफल होनी चाहिए।

वाई.पी. अपीलें खारिज।

Sandeep Kumar Jaiswal, Advocate
Enrollment No.UP-5956/2018
AOR No.A/S-0328/2019

Sandeep

अस्वीकरण
"क्षेत्रीय भाषा में अनुवादित निर्णय वादी के अपनी भाषा में समझने हेतु निर्बंधित प्रयोग के लिए है और किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। सभी व्यावहारिक और सरकारी उद्देश्यों के लिए, निर्णय का अंग्रेजी संस्करण प्रामाणिक माना जाएगा तथा निष्पादन और क्रियान्वयन के उद्देश्यों के लिए मान्य होगा।"